HINDUSTAN PAGE 7

बीएससी में दाखिले के लिए लगाए चक्कर, मंदिर भी गया

राम सिंह राणा

इंटर में सांइस से पढ़ाई की। 1996 में बीएचयू में बीए में प्रवेश हो गया। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में भी दाखिला हुआ। लेकिन, एक जिद थी। बीएससी पढ़नी है। इसलिए, सब छोड़कर 1997 में लखनऊ विश्वविद्यालय में बीएससी में दाखिले के लिए आवेदन किया। पूरा परिवार नाराज हुआ।

पहली लिस्ट में नाम नहीं आया, तो मायूस हो गया था। उस समय छात्रनेताओं का ग्लैमर हुआ करता था। तो उनके पास चक्कर लगाना शुरू किया। हर कोई सिर्फ टहला देता। परेशान हो गया। इलाहाबाद से आना, उस समय गंगा गोमती से लखनऊ आते थे। 40 रुपये किराया लगता था। घरवाले नाराज थे तो पैसा भी नहीं मिलते। लखनऊ में रहने के लिए जगह भी नहीं थी। कई रातें तो मंदिरों में गुजारी। दूसरी लिस्ट में अपने आप नाम आ गया। संघर्ष यहीं खत्म नहीं हुआ। छात्रावास में रहना चाहता था। यह भी एक समस्या थी। घरवाले पहले ही नाराज थे। बलरामपुर छात्रावास पहुंचा तो वहां पुराने पुराने छात्र नेता अपने बच्चों के नाम पर कमरा आवंटित करते रहते। अपनी जगह बनाने के लिए जद्दोजहद दी। इस संघर्ष ने एक सीख दी। उसके बाद जब भी कोई नया छात्र विश्वविद्यालय आया, उसे हमसे पूरी मदद मिली। छात्र राजनीति को यहीं से जाना और समझा। उस समय छात्र राजनीति में काफी ग्लैमर था।

छात्रनेता का एक जलवा हुआ करता था। बीएससी करने आया था तो पढ़ने लिखने में ठीक ठाक था। बाद में, एमफिल में गोल्ड मेडल मिला। डबल पीजी किया। छात्रसंघ महामंत्री चुना गया। अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ा। जीवन को वो 10-12 साल सबसे यादगार रहे। विश्वविद्यालय में बीते इन वर्षों ने पूर्वांचल के छोटे से जिले से आए एक लड़के को प्रदेश की राजनीति तक पहुंचा दिया।

- राम सिंह राणा, पूर्व एमएलसी

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि कराएगा नैनो साइंस व मॉलीक्यूलर जेनेटिक्स में शोध

डीन के हाथों होगी इन संस्थानों की बागडोर, सरकारी संस्थानों के सामने नजीर पेश करेगा विवि

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय जल्द ही नैनो साइंस और मॉलीक्यूलर जेनेटिक्स में शोध की शुरुआत करेगा। इन विधाओं में शोध कर लविवि प्रदेश के सरकारी संस्थानों के सामने नजीर पेश करेगा। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड मॉलीक्यूलर जेनेटिक्स एंड इंफेक्शियस डिजीज और इंस्टीट्यूट ऑफ नैनो साइंस में अन्य पाठ्यक्रम के बजाय पीएचडी से शुरुआत होगी। इसके बाद ही नए पाठ्यक्रम की रूपरेखा बनेगी।

लविवि में इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस मॉलीक्यूलर जेनेटिक्स एंड इंफेक्शियस डिजीज और इंस्टीट्यूट ऑफ नैनो साइंस के नाम से दो नए संस्थान स्थापित किए जा रहे हैं। लविवि में फिलहाल स्थापित ज्यादातर संस्थान में डिप्लोमा, परास्नातक और प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम संचालित होते हैं। नैनो साइंस और मॉलीक्यूलर जेनेटिक्स एंड इंफेक्शियस डिजीज विज्ञान की नई विधाएं हैं, इनमें अभी काफी काम होना बाकी है। इनमें किसी एक विभाग के बजाय विज्ञान के लगभग सभी विभागों की भागीदारी होती है। इसलिए लविवि ने इन संस्थानों की बागडोर डीन के हाथ में दी। डीन के साथ यहां एक-एक कोऑर्डिनेटर की नियुक्ति भी होगी। कुलपति के अनुसार अभी तक यह विवि में परंपरागत पाठ्यक्रमों पर जोर दिया जाता रहा है। अब आधुनिक शिक्षा की ओर बढ़ना होगा। इसकी शुरुआत सेंटर कल्चर की स्थापना करके की जा रही है। लविवि में इस समय जूलॉजी, केमिस्ट्री, फिजिक्स, स्टेट्स, बायोस्टैट्स और बायोटेक्नोलॉजी जैसे विषय पढ़ाए जाते हैं। इन विषयों को एक साथ जोड़कर सेंटर की स्थापना की जा रही है। सेंटर स्थापना का मकसद नए पाठ्यक्रमों के संचालन के साथ ही उन्नत शोध है। साथ ही विद्यार्थियों को कैरियर की अच्छी संभावना वाले विषयों को पढ़ने का मौका भी मिलेगा।

लविवि में सामान्य कक्षाएं शुरू होने से कैंपस में विद्यार्थियों से रौनक है।

रिन्यूएबल एनर्जी में भी पीएचडी

लविवि में इस समय रिन्यूएबल एनर्जी के रूप में एकमात्र सेंटर है। इस सेंटर में बीवोक रिन्यूएबल एनर्जी पाठ्यक्रम संचालित हो रहा है। यह सेंटर लविवि के न्यू कैंपस में है। लविवि इसमें भी पीएचडी की शुरुआत करेगा।

शोध में विज्ञान संकाय का रिकॉर्ड बेहतर

विश्वविद्यालय में अन्य संकायों के मुकाबले विज्ञान संकाय की स्थिति काफी बेहतर है। संकाय के शोध पत्र विश्व स्तर पर माने जाते हैं। अंतरराष्ट्रीय जर्नल में भी हर साल यहां से काफी शोधपत्र प्रकाशित होते हैं। इनका इंपैक्ट फैक्टर भी काफी अच्छा है। इसको देखते हुए विज्ञान संकाय में ही सेंटर स्थापित करने की शुरुआत की गई है।

शिक्षकों की व्यवस्था भी चुनौती

लविवि नए सेंटर में पीएचडी की शुरुआत करेगा, इसके पीछे एक अन्य वजह भी है। असल में नई विधा होने की वजह से इनका सिलेबस तैयार करना और शिक्षकों की व्यवस्था भी बड़ी चुनौती होगी। पीएचडी से शुरुआत होने पर विवि को रिसर्च स्कॉलर मिल जाएंगे। इसके बाद लविवि यह तय कर पाएगा कि किस तरह इसके सिलेबस का निर्माण किया जाए।

मिलेंगे कॅरियर के बेहतर विकल्प

लविवि में शोध को बढ़ावा देने के लिए सेंटर कल्चर शुरू किया जा रहा है। इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस मॉलीक्यूलर जेनेटिक्स और इंस्टीट्यूट ऑफ नैनो साइंस की स्थापना हो चुकी है। इनमें सबसे पहले पीएचडी की शुरुआत होगी उसके बाद ही अन्य पाठ्यक्रम पर विचार किया जाएगा। शोध की गुणवत्ता बढ़ने के साथ ही इससे विद्यार्थियों के लिए कॅरियर के विकल्प भी खुलेंगे। **-प्रो. आलोक कुमार राय कुलपति,** लविवि

बीएड : मुख्य काउंसिलिंग के अंतिम चरण का परिणाम जारी

लखनऊ। उत्तरप्रदेश संयुक्त प्रवेश परीक्षा बीएड 2020-22 की मुख्य काउंसिलिंग के चौथे व अंतिम चरण का परिणाम बुधवार को जारी हो गया। शेष सीटों पर अब पूल काउंसिलिंग के लिए पंजीकरण 16 दिसंबर से शुरू होगा। इसमें सिर्फ वही अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं, जिन्होंने मुख्य काउंसिलिंग में हिस्सा नहीं लिया है या जिन्हें मुख्य काउंसिलिंग में सीट आवंटित नहीं हो सकी।

वे अभ्यर्थी जिन्हें मुख्य काउंसिलिंग के किसी भी चरण में सीट आवंटित हुई, लेकिन शुल्क नहीं जमा कर सके थे, उन्हें भी पूल काउंसिलिंग में शामिल होने का मौका मिलेगा। बीएड प्रवेश परीक्षा की राज्य समन्वयक प्रो. अमिता बाजपेयी ने बताया कि चौथे चरण में 20,538 अभ्यर्थियों ने ऑनलाइन पंजीकरण कराया। इनमें से 17,125 अभ्यर्थियों को सीटें आवंटित की गईं। पूल काउंसिलिंग में अभ्यर्थियों को पंजीकरण के समय कुल 52 हजार रुपये जमा करने होंगे। इनमें पंजीकरण शुल्क के 750 रुपये और महाविद्यालय शुल्क 51,250 रुपये शामिल हैं। पूल काउंसिलिंग में महाविद्यालय आवंटित होने पर यह शुल्क वापस नहीं किया जाएगा।

NBT PAGE 6

हॉस्टल के लिए अभी और इंतजार

एलयू के सभी बड़े हॉस्टल्स में हो रहा है निर्माण

■ **एनबीटी, लखनऊः** लखनऊ विश्वविद्यालय के चार बड़े हॉस्टल कैलाश, वीरबल साहनी, गोल्डन जुबली और सुभाष हॉस्टल में निर्माण हो रहा है। इसमें करीब एक महीने का समय लग सकता है। इसलिए स्टूडेंट्स को हॉस्टल आवंटन के लिए करीब एक महीने और इंतजार करना पड़ सकता है। एलयू को शासन की ओर से 3.14 करोड़ रुपये का बजट हॉस्टल्स की मरम्मत करवाने के लिए दिया गया है।

कमरों में लग रहे टाइल्सः हॉस्टलों के कमरों में टाइल्स लगाए जा रहे हैं। वहीं, कैलाश हॉस्टल के रानी अवंतीबाई और एजुकेशन ब्लॉक पूरी तरह से नए नजर आ रहे हैं।

छात्राओं के हॉस्टल में हाइजीन पर विशेष ध्यानः एलयू प्रशासन छात्राओं के हॉस्टल में हाइजीन पर विशेष ध्यान दे रहा है। शौचालयों और वाशरूम में प्लास्टिक के दरवाजे लगाए जा रहे हैं, जिससे दरवाजे सड़ न जाएं। साथ ही पुरानी फिटिंग भी बदली जा रही है।

दूसरे हॉस्टल में अडजेस्ट होंगे छात्रः एलयू प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि काम के चलते हॉस्टलों के कमरों में वालू, मौरंग, सीमेंट फैली है। इस वजह से स्टूडेंट्स को कमरे अलॉट नहीं किए जा रहे। वहीं, एलयू में ऑफलाइन क्लासेज शुरू हो गई हैं और बाहरी शहरों से स्टूडेंट्स एलयू में आने लगे हैं। इसलिए इन स्टूडेंट्स को दूसरे हॉस्टलों में अडजेस्ट किया जाएगा।

30 लाख में दो अन्य हॉस्टलों में हो रही मरम्मतः प्रवक्ता ने बताया कि महमूदाबाद और हब्बीबुल्ला छात्रावास में यूनिवर्सिटी अपने पैसों से मरम्मत करवा रही है। इन दोनों हॉस्टलों की मरम्मत के करीब 30 लाख रुपये खर्च होंगे।

JAGRAN CITY PAGE I & III

पुराने विद्यार्थियों का ब्योरा जुटाएगा लविवि

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लविवि एल्युमिनाई एसोसिएशन के अतिरिक्त अब पुराने विद्यार्थियों का ब्योरा जुटाया जाएगा। इसके लिए गूगल फॉर्म पर ऑनलाइन डिटेल भरनी होगी। लविवि में नियम है कि एल्युमिनाई के बच्चों को प्रवेश में अंकों की छूट दी जाती है। इसलिए ये डेटाबेस बहुत महत्वपूर्ण होगा। इसको लेकर लविवि ने लिंक भी जारी कर दिया है।

लविवि के पास एल्युमिनाई एसोसिएशन की अपनी वेबसाइट है, जिसके हजारों सदस्य हैं। इसके बावजूद माना जा रहा है कि लाखों ऐसे विद्यार्थी हैं, जिनका नाम इस वेबसाइट पर दर्ज नहीं है। इनमें से अनेक विशिष्ट पदों पर विद्यमान है। लविवि भी अपने 100 वर्षों में कितने ऐसे विद्यार्थियों को आयोजनों में शामिल नहीं कर सका है। इसलिए अब एक नया डेटाबेस तैयार किया जा रहा है। इसके जरिए इस विद्यालय को देश दुनिया में मौजूद अपने पूर्व विद्यार्थियों की जानकारी हो सकेगी। इस इस अभियान में अपने को दर्ज कराने वाले विद्यार्थियों को भी लाभ हो सकता है।

तैयारी

- गूगल फॉर्म पर ऑनलाइन भरना होगा विवरण
- पूर्व विद्यार्थियों के बच्चों को प्रवेश में मिलेगी छूट

लविवि वेबसाइट को मिले दो करोड़ से ज्यादा हिट

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लविवि की वेबसाइट को अब तक के सबसे अधिक दो करोड़ हिट मिल गए हैं। कोविड काल में वेबसाइट पर रीव बहुत तेजी से बढ़ी है और अब विज्ञापन भी मिलेंगे। इससे लविवि को स्टूडेंट वेलफेयर फंड के लिए बजट भी मिल सकेगा। लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि हमारी वेबसाइट पिछले करीब आठ से नौ माह में बहुत तेजी से हिट की जा रही है। अधिकांश प्रक्रियाओं के ऑनलाइन किए जाने से विद्यार्थियों को बहुत लाभ हुआ है। लॉकडाउन और कोविड काल में ये वेबसाइट बहुत हिट रही है। ये अब हमारी आय का साधन भी बनेगी।

इस लिंक से करवाएं पंजीकरणः गूगल फॉर्म के लिंक https://forms.gle/V2SBfJCoDpY4qoyS7 पर क्लिक कर के पूर्व विद्यार्थी डेटाबेस में शामिल हो सकते हैं। ये बहुत आसान है। कुछ सामान्य जानकारियां देकर आपको फॉर्म सबमिट करना होगा, जिसके बाद आपकी जानकारी दर्ज हो जाएगी।

17,125 बीएड अभ्यर्थियों को सीटें आवंटित

जारा, लखनऊ : संयुक्त प्रवेश परीक्षा बीएड की मुख्य काउंसिलिंग का चौथा व अंतिम चरण पूरा हो गया। साथ ही राज्य रैंक 240001 से अंत तक की सीटों के आवंटन का परिणाम बुधवार को घोषित कर दिया गया। इस चरण में कुल 20538 अभ्यर्थियों ने काउंसिलिंग के लिए ऑनलाइन पंजीकरण कराया व 18654 अभ्यर्थियों ने अपने विकल्प प्रस्तुत किए। इनमें से 17,125 अभ्यर्थियों को बीएड महाविद्यालयों में सीटें आवंटित की गई हैं।

आवंटित सीटों में सामान्य श्रेणी की 16,284, अनुसूचित जाति-जनजाति की दो, अन्य राज्यों के 632 व आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग के 207 अभ्यर्थी हैं। राज्य समन्वयक प्रो. अमिता बाजपेई ने बताया कि पूल काउंसिलिंग के लिए केवल वही अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकते हैं, जिन्होंने मुख्य काउंसिलिंग में प्रतिभाग नहीं किया है या मुख्य काउंसिलिंग में प्रतिभाग किया था किन्तु उन्हें कोई सीट आवंटित नहीं हो सकी है, किन्तु शेष शुल्क का भुगतान करने में विफल रहे। काउंसिलिंग में अभ्यर्थियों को पंजीकरण के समय ही 52000 रुपये का शुल्क जमा करना होगा। यदि उन्हें कोई महाविद्यालय आवंटित होता है तो यह शुल्क उन्हें किसी भी दशा में वापस नहीं किया जायेगा।

THE PIONEER PAGE 3

LU's Political Science dept numero uno in terms of admission

Lucknow (PNS): The Political Science department of Lucknow University has been number one in terms of admissions to UG and PG programmes in Arts faculty for the session 2020-2021. There were 60 seats in BA (Hons), which is a self-financed course at the department, but the same have been increased to 75 four years after its introduction because of the huge demand. For PhD admissions, there have been 18 applicants for seven seats available at the department.

Head of the department Shashi Shukla said the students are being attracted by the updated syllabus. "The syllabus has been revised several times to include all the latest developments. In these times when it is so difficult to hold offline classes, we have been managing successfully. We were the first to conduct the mid-term tests and also the first to give assignments to students, and hence students are attracted as the department has been functioning smoothly," she said.

She said that the syllabus is suited for competitive examinations and students find it easier after having a background of this syllabus. Shukla said students are connecting to UGC lectures and e-content has also been uploaded on the government portal, and hence there is a wider reach and a lot more exposure unlike earlier when everything was confined to classroom teaching," she said. However, she added that nothing could substitute classroom teaching. Shukla said the department has uploaded the highest number of e-contents on the UP government portal. "Out of 122 uploads, the highest in the Arts faculty, I have uploaded 61 myself," she pointed out. She said that over 25 students of the department cracked NET this year.

11 दिसम्बर तक अभ्यर्थियों को जमा करना होगा शुल्क

20 विभागों में पीएचडी प्रवेश की सूची जारी

एलयू

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय ने पीएचडी प्रवेश 2019-20 के चयनित अभ्यर्थियों की सूची बुधवार को जारी कर दी है। पहले चरण में 20 विभागों की सूची सामने आई है। इसके आधार पर अभ्यर्थियों को आगामी 11 दिसम्बर तक शुल्क जमा करना होगा।

प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि सूची एलयू की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। अभी फिलहाल 15 विभागों की सूची जारी होनी बाकी है जो जल्द ही जारी की जाएगी। इसके अलावा प्रवक्ता ने ईडब्लूएस का लाभ देने की बात पर कहा कि नियमानुसार ईडब्लूएस का लाभ अभ्यर्थियों को प्रवेश प्रक्रिया में दिया गया है।

लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर तीसरे दिन भी गुलजार रहा।

इन विभागों की सूची हुई है जारी

प्राचीन भारतीय इतिहास और पुरातत्व विभाग, मानव विज्ञान, अरबी, ■ इतिहास (मध्यकालीन और आधुनिक भारतीय इतिहास), पत्रकारिता (जनसंचार), पुस्तकालय और सूचना विज्ञान, ओरिएंटल संस्कृत, फारसी, शारीरिक शिक्षा, राजनीति विज्ञान, मनोविज्ञान, लोक प्रशासन, सामाजिक कार्य, उर्दू, पाश्चात्य इतिहास, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, शिक्षा, ललित कला, जैव रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान

बीएडः दाखिले में छूटे छात्रों को 16 से मिलेगा अन्तिम मौका

ऑनलाइन पंजीकरण

- दाखिले के लिए चौथे चरण की काउंसलिंग बुधवार को हुई पूरी
- पूल काउंसलिंग में शामिल होने को जमा करनी होगी फीस

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

राजधानी समेत प्रदेश बीएड कॉलेजों में दाखिले के लिए आयोजित काउंसलिंग का चौथा चरण बुधवार को पूरा हो गया। इसमें, स्टेट रैंक 240001 से अंत तक के सभी अभ्यर्थियों को बुलाया गया था। लेकिन, कुल 20538 ने पंजीकरण कराया और 17,125 अभ्यर्थियों को सीट आवंटित हुई।

राज्य प्रवेश समन्वयक प्रो. अमिता बाजपेयी ने बताया कि छूटे हुए अभ्यर्थियों को पूल काउंसलिंग के रूप में एक अन्तिम मौका भी दिया जाएगा।

इसके लिए आगामी 16 दिसम्बर से ऑनलाइन पंजीकरण कराए जाएंगे। पूल काउंसलिंग के लिए केवल वही अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकते हैं जिन्होंने मुख्य काउंसलिंग में प्रतिभाग नहीं किया है या मुख्य काउंसलिंग में प्रतिभाग किया था किन्तु उन्हें कोई सीट आवंटित नहीं हो सकी है या वे अभ्यर्थी जिन्हें मुख्य काउंसलिंग के किसी भी चरण में सीट आवंटित हुई किन्तु शेष शुल्क का भुगतान करने में विफल रहे। काउंसलिंग में अभ्यर्थियों को पंजीकरण के समय ही 52000 रुपये का शुल्क जमा करना होगा। यदि उन्हें कोई महाविद्यालय आवंटित होता है तो यह शुल्क उन्हें किसी भी दशा में वापस नहीं किया जायेगा।

i-NEXT PAGE 4

हॉस्टल हो रहे तैयार, कुछ दिन करें इंतजार

i SPECIAL

लखनऊ यूनिवर्सिटी के लगभग सभी बड़े हॉस्टल में चल रहा है निमार्ण कार्य

सेशन शुरू होने से स्टूडेंट्स हॉस्टल आवंटन के लिए लगा रहे एलयू के चक्कर

lucknow@inext.co.in

PICS: DAINIK JAGRAN-I NEXT

तेजी से चल रहा है हॉस्टल में निर्माण कार्य.

रंग-रोगन का काम भी जारी.

LUCKNOW (9 Dec): लखनऊ यूनिवर्सिटी का नया सेशन शुरू होते ही स्टूडेंट्स हॉस्टल के लिए एलयू के चक्कर लगा रहे हैं, हालांकि उन्हें हॉस्टल के लिए अभी इंतजार करना होगा. एलयू के चारों बड़े हॉस्टल कैलाश, बीरबल साहनी, गोल्डन जुबली व सुभाष हॉस्टल में मरम्मत का कार्य जारी है. ऐसे में स्टूडेंट्स को हॉस्टल आवंटन के लिए जनवरी मध्य तक इंतजार करना पड़ सकता है.

लगाए जा रहे हैं टाइल्स

शासन से मिले बजट के बाद एलयू प्रशासन हॉस्टल के कमरों से लेकर बाथरूम तक टाइल्स लगवा रहा है. कैलाश के ब्लॉक रानी आवंतीबाई ब्लॉक, एजुकेशन ब्लॉक लगभग तैयार हो चुके हैं. वहीं बीरबल साहनी, गोल्डन जुबली व सुभाष हॉस्टल में रंगाई-पुताई चल रही है. इन हॉस्टलों के तैयार होने के बाद दूसरे हॉस्टलों के मरम्मत की जाएगी. इस समय टॉयलेट व बाथरूम में प्लास्टिक के दरवाजे लगाए जा रहे हैं. जिससे बाथरूम के दरवाजे पानी से न खराब हों. एलयू में हॉस्टल की मरम्मत का काम अब तेज कर दिया गया है.

3.14 करोड़ की ग्रांट शासन से जारी

15 लाख से एक हॉस्टल में काम

दूसरे हॉस्टल में एडजेस्टमेंट

एलयू प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि पीजी के कुछ स्टूडेंट्स को सोशल डिस्टेंसिंग के साथ कमरे अलॉट किए गए हैं. जिन हॉस्टलों में कार्य हो रहा है वहां बालू मौरंग आदि कमरों में फैली है. जिससे कमरे अलॉट नही किए जा रहे हैं. जहां काम पूरा हो रहा है एक-एक कर स्टूडेंट्स को दूसरे हॉस्टलों में एडजेस्ट किया जा रहा है. एक बार हॉस्टल मरम्मत का कार्य पूरा होने के बाद आवंटन प्रक्रिया शुरू होगी.

महमूदाबाद और हब्बीबुल्ला हॉस्टल में यूनिवर्सिटी अपने पैसों से मरम्मत करा रही है. दोनों जगह 15-15 लाख से काम किया जा रहा है. जल्द अन्य हॉस्टल में भी मरम्मत का काम शुरू हो जाएगा.

डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव, प्रवक्ता, एलयू

RASHTRIYA SAHARA PAGE 7

पूल काउन्सिलिंग ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया 16 से

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा

आयोजित उप संयुक्त प्रवेश परीक्षा बीएड-2020-22 की मुख्य काउन्सिलिंग के चतुर्थ व अंतिम चरण स्टेट रैंक 240001 से अंत तक की सीटों के आवंटन का परिणाम बुधवार को घोषित किया गया। इस चरण में कुल 20,538 अभ्यर्थियों ने काउन्सिलिंग के लिए आनलाइन पंजीकरण कराया था तथा 18,654 अभ्यर्थियों ने अपने विकल्प प्रस्तुत किये। इनमें से 17,125 अभ्यर्थियों को उनके वांछित बीएड महाविद्यालयों में सीट आवंटित हुई। इसमें सामान्य श्रेणी की 16,284 ए अनुसूचितजाति/जनजाति की दो अन्य राज्यों के 632 व आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के 207 अभ्यर्थियों को विभिन्न बीएड महाविद्यालयों में सीटें आवंटित हुईं। संयुक्त प्रवेश परीक्षा बीएड-2020-22 की पूल काउन्सिलिंग के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया भी 16 दिसम्बर 2020 से प्रारम्भ होगी।